‘उत्तर पूर्व’ उपन्यास का यथार्थ बोध

(Realistic understanding of the novel ‘Uttar Purva’)

एम॰ फिल॰ हिंदी साहित्य उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध सारांश

सत्र : 2016-17

शोध निर्देशक

डॉ. सुनील कुमार

(सहायक प्रोफ़ेसर)

शोधार्थी

मदालसा मणि त्रिपाठी

पंजीकरण संख्या: 2016/RCK/215/003

हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट: हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा – 442001 (महाराष्ट्र) भारत

‘उत्तर पूर्व’ उपन्यास का यथार्थ बोध

(Realistic understanding of the novel ‘Uttar Purva’)

एम. फिल. हिंदी साहित्य उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध सारांश

सत्र - 2016-17

शोध निर्देशक

डॉ. सुनील कुमार

(सहायक प्रोफ़ेसर)

शोधार्थी

मदालसा मणि त्रिपाठी

पंजीकरण संख्या: 2016/RCK/215/003

हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा - 442001 (महाराष्ट्र) भारत

घोषणा पत्र / प्रमाण पत्र

मैं, **मदालसा मणि त्रिपाठी** घोषणा करती हूँ कि मैंने **हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग** महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में सत्र : 2016-17 के अंतर्गत एम. फिल हिंदी साहित्य उपाधि हेतु **'उत्तर पूर्व' उपन्यास का यथार्थ बोध** विषय पर **डॉ. सुनील कुमार** के नियमित शोध निर्देशन में अपना लघु शोध प्रबंध पूर्ण किया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध मेरा मौलिक कार्य है। मेरे संज्ञान में इसे अंशत: या पूर्णत: इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है।

शोधार्थी

(मदालसा मणि त्रिपाठी)

एम.फिल. हिंदी साहित्य

नामांकन संख्या : 2016/RCK-215/003

प्रमाणित किया जाता है कि **मदालसा मणि त्रिपाठी** ने महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता से एम. फिल. उपाधि हेतु **'उत्तर पूर्व' उपन्यास का यथार्थ बोध** विषय पर लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत किया है। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध उनके द्वारा संग्रहीत किए गए तथ्यों पर आधारित है। अत: मैं **मदालसा मणि त्रिपाठी** के लघु शोध प्रबंध को मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करने की अनुशंसा करता हूँ।

डॉ. सुनील कुमार

सहायक प्रोफेसर

हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग

मदालसा मणि त्रिपाठी के द्वारा प्रस्तुत एम. फिल लघु शोध प्रबंध को मूल्यांकन हेतु अग्रेषित किया जाता है।

प्रो. कृपाशंकर चौबे

प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता